भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 767
29 नवम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

छत्तीसगढ़ में आयुर्वेद को बढ़ावा देना

767. श्री बृजमोहन अग्रवाल:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) छत्तीसगढ़ में आयुर्वेद और अन्य प्रणाली, जहां आबादी का एक बड़ा वर्ग पारंपरिक उपचार पर निर्भर है, को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रस्तावित प्रयासों/प्रथाओं का ब्यौरा क्या है;
(ख) छत्तीसगढ़ में सरकार द्वारा संचालित योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी आदि से संबंधित संस्थाओं एवं प्रशिक्षण केंद्रों की जिले-वार कुल संख्या कितनी है;
(ग) क्या सरकार का देश भर में नए और मौजूदा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित/उन्नयन करने का कोई प्रस्ताव है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) आयुष मंत्रालय छत्तीसगढ़ सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को क्रियान्वित कर रहा है तथा आयुर्वेद सहित आयुष प्रणाली के प्रचार-प्रसार और समग्र विकास के लिए उनके प्रयासों का समर्थन कर रहा है। एनएएम के तहत, एनएएम दिशा-निर्देशों के प्रावधानों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों को अनुदान सहायता प्रदान की जा रही है। एनएएम अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रावधान करता है:

(i) आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों (एएचडब्ल्यूसी) का परिचालन जिसका नाम अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) रखा गया है।
(ii) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना
(iii) मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन
(iv) मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय के लिए भवन का निर्माण (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास)/नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण
(v) 10/30/50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना
(vi) सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक दवाओं की आपूर्ति
(vii) आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम
(viii) उन राज्यों में नए आयुष कॉलेजों की स्थापना, जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है।
(ix) आयुष स्नातक संस्थानों और आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना।

(ख) से (घ) चूंकि जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए देश भर में नए प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना और मौजूदा प्रशिक्षण केंद्रों को उन्नत करना संबंधित राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के कार्य क्षेत्र में आता है। हालांकि, वर्ष 2021-22 से आयुष में अनुसंधान और नवाचार का समर्थन करने के उद्देश्य से आयुष

मंत्रालय द्वारा एक केंद्रीय क्षेत्र योजना 'आयुर्ज्ञान' को लागू किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक गतिविधियों, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण आदि के माध्यम से अतिरिक्त शोध गतिविधियों और शिक्षा प्रदान करके आयुष में अनुसंधान और नवाचार का समर्थन करना है।

इस योजना के तीन घटक हैं - (**i**) आयुष में क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) (**ii**) वित्तीय वर्ष 2021-22 से आयुष में अनुसंधान और नवाचार तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 से आयुर्वेद जीवविज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान नामक तीसरे घटक को भी योजना के तहत जोड़ा गया है।

आयुष में क्षमता निर्माण एवं सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) के अंतर्गत, आयुष कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु, योजना दिशानिर्देश में निहित प्रावधानों के अनुसार, पात्र संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

*****